B.A Part I Sociology (Hons)

14/08/2020 Paper II (Social Thinker)

Topic - Circulation of Elites : V. Pareto

~~By - Himanshu Shekhar~~

अभिजात वर्ग का परिभ्रमण –

प्रत्येक समाज में किसी न किसी आधार पर ऊँच-नीच का एक संस्तरण अवश्य होता है। जो कि साधारण बोलचाल में उच्च वर्ग और निम्न वर्ग कहलाते हैं उच्च वर्ग के लोगों के हाथों में शक्ति होती है और वे प्रायः समाज के शासक होते हैं। इन्हीं गुणों के बल पर वे सामाजिक संस्तरण में उच्च शासन पर अधिष्ठित होते हैं तथा समाज का शासन करते हैं। परेटो ने इसी उच्च वर्ग को अभिजात वर्ग कहा है।

परेटो के अनुसार इस अभिजात वर्ग के अंतर्गत निरंतर उपर-नीचे आने जाने की एक प्रक्रिया चलती रहती है जिसे परेटो ने अभिजातों के परिभ्रमण की संज्ञा दी है। सामाजिक संस्तरण की एक प्रमुख विशेषता यह होती है कि कोई भी वर्ग विशेषकर अभिजात वर्ग अधिक स्थिर नहीं होता। अपने जीवन में प्राप्त सफलता या असफलता के अनुसार निम्न वर्ग के व्यक्ति उच्च वर्ग में जा सकते हैं तथा उच्च वर्ग के लोग निम्न वर्ग मे आ सकते हैं। इस परिभ्रमण की गति प्रत्येक समाज में एक-सी नहीं होती है परंतु परिभ्रमण की प्रक्रिया प्रत्येक समाज में होती अवश्य है क्योंकि कोई भी वर्ग पूर्णतया 'बंद वर्ग' हो ऐसा संभव नहीं। वर्गों के नीचे से उपर और उपर से नीचे आने जाने की प्रक्रिया हर समाज में चलती रहती है और उसके तीन प्रमुख कारण हैं :

1. कोई भी वर्ग पूर्णतया बंद नहीं होता
2. अभिजात वर्ग की शक्ति उन्हें भ्रष्ट करती है और पतन होता है
3. निम्न वर्ग में भी कुशल और बुद्धिमान व्यक्ति होते हैं जो उपर की ओर चढ़ जाते हैं।